Total Pages : 3 Roll No. .....

MASL-205

संस्कृत साहित्य की आधुनिक प्रतिभाएँ

एम.ए. संस्कृत (एमएएसएल- 12/16/17)

द्वितीय वर्ष, सत्र 2019 पञ्चमप्रश्न पत्र

Time : 3 Hours] **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क एवं ख में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल तीन (03) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (3×15=45)

1. कुमाऊँ एवं गढ़वाल की संस्कृत परम्परा एवं विकास पर प्रकाश डालिए।

2. श्रीकृष्ण जोशी के व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व पर प्रकाश डालिए।

3. सदानन्द डबराल के व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व पर प्रकाश डालिए।

4. उत्तराखण्ड के संस्कृत साहित्यकारों का संस्कृत के संरक्षण में योगदान को रेखांकित कीजिए।

5. आधुनिक उपन्यासों का वर्णन करते हुए किसी एक उपन्यास की विषयवस्तु का वर्णन कीजिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए सात (07) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल पाँच (05) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (5×7=35)

1. संस्कृत का उत्तराखण्ड की लोकभाषा पर प्रभाव की समीक्षा कीजिए।

2. आचार्य विश्वेश्वर पाण्डेय की 'अलंकार प्रदीप' में से तीन अर्थालंकारों का वर्णन कीजिए।

3. लोकरत्न पन्त गुमानी ने निम्नलिखित श्लोक में किसको शास्त्रज्ञान शून्य बताया? व्याख्या कीजिए:

न वेदकुशलं न च स्मृतिविदं न तन्त्रोद्धुरम्, न शास्त्रविहितश्रमं न समधीतसाहित्यकम्।
लिखन् पठति यावनीमपि न आंगरेजी लिपिम्, तमेव वत मन्यते बुध जनं फिरंगीजन:।।

4. 'वृत्तरत्नाकर' के कर्ता केदार पाण्डेय के व्यक्तित्त्व पर प्रकाश डालिए।

5. लक्ष्मीपति पाण्डेय के व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व पर प्रकाश डालिए।

6. सुकृतिदत्त पन्त के कृतित्त्व पर प्रकाश डालिए।

7. हरिनारायण दीक्षित के 'भीष्मचरितम्' महाकाव्य में छन्द विधान को प्रकाशित कीजिए।

8. शिवप्रसाद भारद्वाज के 'महापुरुष चरितावलि' की समीक्षा कीजिए।